BISHOP SCOTT BOYS' SCHOOL
(Affiliated to CBSE, New Delhi) Affiliation No.: 330726, School Campus: Chainpur, Jaganpura, By-Pass, Patna 804453.
Phone Number: 7061717782, 9798903550. ,
Web: www.bishopscottboysschool.com Email: info@bishopscottboysschool.com

STUDY COURSE MATERIAL

SANSKRIT

SESSION-2020-21

CLASS-V

TOPIC: नपुंसकलिंगशब्दाः

DAY-1

❖ TEACHING MATERIAL

नपुंसकलिंगशब्दाः- ऐसे शब्द जो अकारांत होते है, और पुरुष या स्त्री का बोध नहीं कराते,वे अकारान्त नपुंसकलिंग शब्द कहलाते हैं-

जैसे-पुष्पम् = प्+उ+ष्+प्+अ+म्,

जलम्= ज्+अ+ल्+ अ+म्

DAY -2

TEACING MATERIAL

अकारान्त नपुंसकलिंग शब्दों के रूप तीनों वचनों में
इस प्रकार बनाए जाते हैं ।

एकवचनम	दिवचनम्	बहुवचनम्
शब्द + म्	शब्द + े	शब्द+ानि
क्षेत्र+म्= क्षेत्रम्	क्षेत्र+ े= क्षेत्र	क्षेत्र+ ानि= क्षेत्राणि
तृणम्	तृणे	तृणानि
वनम्	वने	वनानि
भवनम्	भवने	भवनानि
पुस्तकम्	पुस्तके	पुस्तकानि
अन्नम्	अन्ने	अन्नानि
आभूषणम्	आभूषणे	आभूषणानि
उपनेत्रम्	उपनेत्रे	उपनेत्राणि
हिमम्	हिमे	हिमानि

नवनीतम्	नवनीते	नवनीतानि
चित्रम्	चित्रे	चित्राणि

अभ्यासकार्यम

वचनानुसारेण शब्दान् पृथक् कुरुत।
(आम्रम्, चक्राणि, चित्रे, गृहम्, क्षेत्रे, वनानि, नेत्राणि, बसयानम्, वस्त्रे, पत्रम्, फलानि, फेनके, भवनम्, उपनेत्रे)

एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
.....	.....	.....
.....	.....	.....

DAY-3

काल तथा लकार

परिभाषा:-
काल को संस्कृत में लकार कहते हैं। क्रिया को बताने के लिए कालों का प्रयोग होता है। ये अनेक प्रकार के होते हैं, किन्तु मुख्य रुप से पाँच कालों का ही प्रयोग होता है। उन पाँच कालों को संस्कृत में विभिन्न लकारों के नाम से पुकारते हैं।

जैसे:-

काल	लकार
लट् लकार	वर्तमान काल
लृट् लकार	भविष्यत्काल
लङ् लकार	भूतकाल
लोट् लकार	आज्ञार्थक
विधिलिङ् लकार	प्रार्थना आदि में

1. वर्तमान काल (लट् लकार) – चल रहे समय को वर्तमान काल कहते हैं। वर्तमान काल के लिए 'लट्' लकार का प्रयोग होता है।

लट् लकार

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	ति	तः	अन्ति
मध्यम पुरुष	सि	थः	थ
उत्तम पुरुष	आमि	आवः	आमः

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	पठति	पठतः	पठन्ति
मध्यम पुरुष	पठसि	पठथः	पठथ
उत्तम् पुरुष	पठामि	पठावः	पठामः

कुछ धातु और उनके अर्थ इस प्रकार हैं।

धातुः	अर्थः
गम्	जाना
चल	चलना
हस्	हसना
पत्	गिरना
कथ्	कहना
चर्	चरना

DAY-4

2. लृट्लकार (भविष्यत्काल)

आने वाले समय को भविष्य काल कहते हैं । भविष्य काल में लृट् लकार का प्रयोग होता है ।

इस लकार में ति ,तो, अन्ति आदि से पूर्व 'स्य' लग जाता है।

लृट् लकार

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	ष्यति	ष्यतः	ष्यन्ति
मध्यम पुरुष	ष्यसि	ष्यथः	ष्यथ
उत्तम पुरुष	ष्यामि	ष्यावः	ष्यामः

लृट् लकार

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष।	पठिष्यति।	पठिष्यतः	पठिष्यन्ति
मध्यम पुरुष	पठिष्यसि	पठिष्यथः	पठिष्यथ
उत्तम पुरुष	पठिष्यामि	पठिष्यावः	पठिष्यामः

DAY-5

3. लङ् लकार (भूतकाल)

बीते हुए समय को भूतकाल कहते हैं ।

भूतकाल के लिए लङ् लकार का प्रयोग होता है ।

भूतकाल में धातु से पूर्व (पहले) अ लग जाता है।

लङ् लकार

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	त	ताम्	अन्
मध्यम पुरुष	ः	तम्	त
उत्तम पुरुष	अम्	आव	आम

लङ् लकार

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	अपठत्	अपठताम्	अपठन्
मध्यम पुरुष	अपठः	अपठतम्	अपठत
उत्तम पुरुष	अपठम्	अपठाव	अपठाम